



प्रधानमंत्री ने लालकिले की प्राचीर से 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के लिए सप्त शक्ति-समधारा का मंत्र दिया

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली।
देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री ने लालकिले की प्राचीर से लगातार अपने 13वें राष्ट्र के नाम करीब 75 मिनट के संबोधन में युवाओं को फोकस में रखते हुए 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के लिए सप्त शक्ति-सप्तधारा का मंत्र दिया। संसद तथा विधानसभाओं में महिला आरक्षण लागू करने की प्रतिबद्धता जताते हुए राजनीतिक दलों का सहयोग मांगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग से लेकर अगले एक वर्ष में एक करोड़ युवाओं को एआई कौशल प्रशिक्षण देने जैसी घोषणाएं की। तो माओवादी विचारों के प्रभाव को लेकर आगाह हुए कहा कि देश नक्सल मुक्त

विपक्षी पार्टी से अपमान पर माफी की मांग, ताकि अपनी और अपने साहब की नाकामियों' से लोगों का ध्यान भटका सके

अनुष्ठा कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा विपक्षी पार्टी से 'वंदे मातरम' के कथित अपमान पर माफी की मांग करने का कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि शाह ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि 'अपनी और अपने साहब की नाकामियों' से लोगों का ध्यान भटका सके। उन्होंने 17 दिसंबर, 2024 को राज्यसभा में बीआर आंबेडकर का अपमान किया था और वे उस विचारधारा से जुड़े हैं जिसने जनवरी 2002 तक अपने मुख्यालय पर तिरंगा फहराना तक जरूरी नहीं समझा।

रमेश ने 'एक्स' पर यह भी कहा कि शाह शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर दिल्ली पुलिस की बर्बरता के लिए सीधे जिम्मेदार हैं। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि जब 'वंदे मातरम' का नारा लगाने पर लाठियों बरसाई गईं तो कांग्रेस ने ही इस गीत के जरिए आजादी का बिगुल फुंका था। 'उस समय संघ से जुड़े लोग या तो

जरूर हुआ है मगर दिमागी नक्सली मौके की तलाश में हैं और इसलिए युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना होगा।

आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए एक सशक्त नागरिक सुरक्षा नेटवर्क का निर्माण, 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने, अधिक सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने, आर्थिक सुधारों को गति देने से लेकर लखपति दीदियों की संख्या तीन से बढ़ाकर छह करोड़ करने का नया लक्ष्य दिया। देश की कार्य संस्कृति, सोच और व्यापक महत्वाकांक्षा में बदलाव का आह्वान करते हुए नागरिकों, सरकारों, उद्योग, किसानों, युवाओं और समाज के अन्य वर्गों द्वारा सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। विशेषकर युवाओं से विकसित भारत के सपने की

दिशा में समाज और अर्थव्यवस्था दोनों में नेतृत्व की भूमिका निभाने को कहा।

परिसीमन बिल की दुबारा वापसी की चर्चाओं के बीच पीएम ने संसद और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण लागू करने का समर्थन करने की सभी राजनीतिक दलों से अपील कर इसे सरकार के प्राथमिक एजेंडा में होने का संदेश दिया और कहा कि वे 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने में सहयोग करें।

वामपंथी बुद्धिजीवियों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों की कुर्बानियों के बाद देश ने नक्सलवाद का खात्मा किया है। सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि हथियारबंद नक्सली भले चले गए हों लेकिन दिमागी नक्सली अभी भी छिपे हुए हैं।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के पत्रकार बने

भारत के किसी भी जनपद, तहसील या थाना क्षेत्र में केशरी दर्पण समाचार पत्र के पत्रकार बनने के लिए संपर्क करें। आप केशरी दर्पण समाचार पत्र की वेबसाइट से भी के माध्यम से भी पत्रकार बन सकते हैं। समाचार पत्र की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करें लॉगिन करें आप स्वयं केशरी दर्पण समाचार पत्र की वेबसाइट पर समाचार फोटो आदि भी अपलोड कर सकते हैं। सोनीपत जनपद में श्रीमती अंजू देवी पति श्री कृष्ण पाल, सोनीपत मो. 9416957607

निवेदक-सुभाष चंद, संपादक, केशरी दर्पण (हिंदी साप्ताहिक) 9837749557

w w w.kesharidarpan.com

दुम दबाकर भाग गए या फिर अपने ब्रिटिश आकाओं को खुश करने में लगे थे।'

कांग्रेस के कई नेता ने इंटरनेट मीडिया पर 10 दिसंबर, 2025 को राज्यसभा में 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने पर हुई बहस के दौरान रमेश के भाषण का क्लिप भी साझा किया है। सत्तारूढ़ भाजपा पर इतिहास को गलत तरीके से पेश करने और देश के लिए अपनी जान देने वाले स्वतंत्रता

सेनानियों का अपमान करने का आरोप लगाया था। केरल के कोल्लम में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि भाजपा वंदे मातरम् का इस्तेमाल असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कर रही है। कांग्रेस पार्टी का इस पर स्पष्ट रुख है वंदे मातरम् महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू और रवींद्रनाथ ठाकुर के सहयोग से अस्तित्व में आया।

स्वतंत्रता दिवस पर ममता बनर्जी किसी कार्यक्रम में नजर नहीं आईं

सुभाष पाराशर/एजेंसी, कोलकाता।
बंगाल में हालिया विधानसभा चुनाव में करारी हार और लगातार 15 साल की सत्ता से हटने के बाद इस बार स्वतंत्रता दिवस पर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर नहीं आईं। इतना ही नहीं, कालीघाट स्थित अपने घर पर भी उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया। शनिवार सुबह उन्होंने अपने एक्स हैंडल के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। करीब चार दशक के राजनीतिक जीवन में पहली बार है जब स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ममता किसी

सार्वजनिक कार्यक्रम से दूर रहें।

युवा कांग्रेस की नेता रहने के समय से ही ममता बनर्जी 14 अगस्त की मध्यरात्रि को अपने घर के पास हाजरा मोड़ पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस समारोह की शुरुआत करती थीं। 2011 में मुख्यमंत्री बनने के बाद भी स्वतंत्रता दिवस से जुड़े उनके कार्यक्रम नियमित रहे। इस बार तृणमूल कांग्रेस की ओर से तपसिया स्थित पुराने तृणमूल भवन के सामने स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। पार्टी प्रवक्ता व विधायक कुणाल घोष ने झंडोत्तोलन किया। कालीघाट स्थित

ममता के घर पर राज्यसभा के पूर्व सदस्य व ममता के करीबी माने जाने वाले शुभाशीष चक्रवर्ती ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

ममता की अनुपस्थिति को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता व विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा कि इसकी वजह की जानकारी नहीं है। तृणमूल के बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी समर्थक धड़े के नेता और विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक अखरूजमान ने ममता की अनुपस्थिति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस का आयोजन एक उत्सव की तरह हैं।

देश के युवाओं ने हिंसक शासन के खिलाफ आवाज उठाई, वह प्रशंसनीय

तरुण/एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि जिस साहस के साथ देश के युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हिंसक शासन के खिलाफ खड़े होकर आवाज उठाई है, वह प्रशंसनीय है। राहुल ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने उन छात्र-छात्राओं के साथ बातचीत की, जिन्होंने पिछले महीने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था और 20 जुलाई को पुलिस कार्रवाई का सामना किया था।

राहुल ने पुलिस कार्रवाई के बारे में छात्रों के अनुभवों को सुना। यह संवाद इस महीने की शुरुआत में हुआ था। राहुल ने वीडियो के साथ एक्स पर पोस्ट किया, भारत के युवाओं ने मोदी जी के हिंसक

शासन के सामने जिस साहस और मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की, वह काबिल-ए-तारीफ है।

वीडियो में राहुल ने शांति, मोहब्बत और हंसी-मजाक के साथ अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि मुझे हर एक युवा पर गर्व है - खासकर उन लड़कियों पर, जिन्हें भाजपा के गुंडों की बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का सामना करना पड़ा, यहां तक कि उन्हें प्रधानमंत्री से माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। लेकिन अब उनकी आवाज दबाई नहीं जा सकेगी। राहुल गांधी ने आगे कहा कि 22 अगस्त को 'छात्रों की गूंज' पुणे पहुंच रही है और इस बार का कार्यक्रम सिर्फ लड़कियों के लिए होगा। अब लड़कियां बोलेंगी, देश सुनेगा।

प्रधानमंत्री के दिमागी नक्सल वाले बयान पर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने तंज कसा

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिमागी नक्सल वाले बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने तंज कसा है। चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मुझे दिमागी नक्सल होने पर गर्व है। चिदंबरम की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश को दिमागी नक्सलियों से सतर्क रहने की चेतावनी देने के बाद आई है।

पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा था कि देश जंगलों में फैले शसस्त्र नक्सलवाद को समाप्त करने में काफी हद तक सफल रहा है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि इसके वैचारिक समर्थक अभी भी समाज के लिए बड़ा खतरा बने हुए हैं। ऐसे लोग तंत्र में घुसपैठ कर चुके हैं और नीतियों में हेरफेर करके हिंसा तथा अराजकता को बढ़ावा देने का अवसर तलाशते हैं। देशवासियों से ऐसे लोगों को पहचानने और अलग-थलग करने की अपील की थी।

पीएम मोदी ने अपने भाषण में जोर देकर कहा, सालों से माओवादी विचारधारा के लोगों ने सत्ता के गलियारों में जगह बना ली थी। वे सरकारी समितियों में सलाहकारों के रूप में काम करते हुए सार्वजनिक नीतियां प्रभावित करते थे। उन्होंने कहा कि इस चुनौती को कम नहीं आंका जा सकता और अब अधिक सतर्कता की आवश्यकता है।

नक्सलवाद के भयानक इतिहास का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि दशकों पुरानी इस हिंसा ने लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया, अनगिनत परिवारों को तबाह किया और 3,500 से

अधिक पुलिस तथा सुरक्षाकर्मियों की जान ली, जो युद्ध में शहीद हुए सैनिकों से भी ज्यादा है। एक समय भारत का एक बड़ा हिस्सा बंदूक के साए में था। पीएम मोदी ने कि 2014 में सत्ता में आने के बाद उनकी सरकार ने नक्सलवाद के उन्मूलन को प्राथमिकता दी। संतोष व्यक्त किया कि जिन क्षेत्रों में कभी गोलियां और खून-खराबा आम था, वहां अब विकास और विश्वास का तिरंगा लहरा रहा है वो इलाके पूरी तरह नक्सलमुक्त हो रहे हैं।

केवल ई-20 पेट्रोल को वाहनों की माइलेज में बदलाव के लिए

जिम्मेदार नहीं उठाराया जा सकता
सपना कश्यप/एजेसी, नई दिल्ली।
शनिवार को सरकार ने कहा कि केवल ई-20 पेट्रोल को वाहनों की माइलेज में बदलाव के लिए जिम्मेदार नहीं उठाराया जा सकता। वास्तविक परिस्थितियों में माइलेज बहुत से कारक जिम्मेदार होते हैं, वाहन का रखरखाव, ड्राइविंग, ट्रैफिक की स्थिति, टायर का दबाव और एयर कंडीशनिंग का इस्तेमाल शामिल हैं।

गैस मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि ई-20 पेट्रोल का व्यापक परीक्षण सत्यापन किया गया है। इससे इंजन पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ता है। सरकार ने पहले ही स्वीकार किया था कि कुछ वाहनों में ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल से माइलेज में तीन से पांच प्रतिशत की कमी हो सकती है। इंडियन आयल, भारत पेट्रोलियम हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने देशभर में की गई जांच में ई20 पेट्रोल में अधिक मात्रा में क्लोराइड या नमी होने के दावों के समर्थन में कोई सुबूत नहीं मिला है।

संगठन सर्जन के तहत जिला व शहर अध्यक्ष चयन के लिए कांग्रेस सचिव व बागपत पर्यवेक्षक सुहासिनी यादव व पर्यवेक्षको ने सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं से वन टू वन बात कर रिपोर्ट तैयार की



नितिन कुमार सिंह, बागपत। मेरठ रोड स्थित वात्सायन पैलेस में 13 अगस्त को कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत जिला व शहर अध्यक्ष के चयन के लिए बागपत कांग्रेस की एक बैठक व संयुक्त प्रेस वार्ता आयोजित की हुई जिसमें इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सचिव व बागपत पर्यवेक्षक सुश्री सुहासिनी यादव ने बताया कि देश भर में कांग्रेस पार्टी, संगठन सृजन अभियान के तहत जिला व शहर अध्यक्ष का चयन कर रही है। जिसमें कोई भी महिला पुरुष जो कांग्रेस पार्टी से 5 से ज्यादा समय जुड़ा हो जिला व शहर अध्यक्ष के लिए 10 दिन में आवेदन कर सकता है। इसके बाद पूरी चयन प्रक्रिया रिपोर्ट आवेदन सहित पार्टी को भेज दी जाएगी।

इस अवसर पर प्रभारीगण द्वारा संगठन सृजन कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रेस एवं बागपत कांग्रेस संगठन के साथियों के

समक्ष साझा की गई। संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं जनहित के मुद्दों पर प्रभावी बनाने को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा भी हुई। डॉ भीम राव आंबेडकर जी की प्रतिमा भेंट कर सुहासिनी यादव व अन्य प्रभारीगणों का सम्मान किया गया।

कांग्रेस पार्टी जनपद बागपत के इस संगठन सर्जन कार्यक्रम में मंच पर बोलने को लेकर आपस में ही भीड़ गए। अपने नेताओं के पक्ष में नारेबाजी करने लगे। एक बार तो ऐसा लगा कि कार्यक्रम फ्लॉप हो जायेगा। तभी जनपद के वरिष्ठ कांग्रेस नेता व उत्तर प्रदेश कांग्रेस महासचिव अहमद हमिद ने मोर्चा संभाला और सभी को शांत करने की कोशिश की। जिलाध्यक्ष लव कश्यप ने कार्यक्रम में हुई नारेबाजी के लिए अतिथियों व मौजूद सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से माफ़ी मांगी। कार्यकर्ता फिर भी अपने नेताओं के लिए नारेबाजी करते रहे।

हंगामा शांत करने के लिए मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय सचिव व बागपत पर्यवेक्षक सुहासिनी यादव को खड़ा होना पड़ा। सुहासिनी यादव के बोलते ही पुरे हाल में सन्नाटा सा छा गया। सुहासिनी यादव ने कड़े शब्दों में कहा कि जो हंगामा कर रहे हैं उन्हें जिलाध्यक्ष नहीं बनने देंगी। आज की सारी रिपोर्ट पार्टी को भेजूंगी। आपने मुझे यहाँ बुलाकर सम्मान तो नहीं दिया। लेकिन मैं आप सभी को सम्मान देती हूँ। जिन्हें जिला व शहर अध्यक्ष के लिए आवेदन करना है। वे आवेदन पत्र ले सकते हैं। अब मैं किसी से नहीं बात नहीं करूँगी। अगली मीटिंग में सभी से वन टू वन बात करूँगी।

बागपत जिलाध्यक्ष लव कश्यप ने बताया कि संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत जनपद बागपत पहुंची आल इंडिया कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय सचिव व गुजरात प्रभारी सुहासिनी यादव, प्रदेश कमेटी के प्रभारी तारिक खान

व राजेश्वर देवदत्त का समस्त जिला कांग्रेस कमेटी एवं कांग्रेस साथियों द्वारा आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। लगभग तीन बजे प्रभारीगण दिल्ली चले गए। कार्यक्रम के दौरान बागपत प्रभारी द्वारा जिलाध्यक्ष एवं शहर अध्यक्ष पद के आवेदन जारी कर इच्छुक कांग्रेसजनों से आवेदन मांगे। संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और योग्य एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन में जिम्मेदारी देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता व किसान कांग्रेस उपाध्यक्ष ओमवीर तोमर व प्रदेश महासचिव अहमद हमीद आदि ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने बागपत जनपद कांग्रेस को एक टीम की तरह से मिलकर काम करने और भविष्य में बागपत जनपद की तीनों विधानसभा सीट जितने की बात कही। इस अवसर पर कांग्रेस प्रदेश महासचिव फैज महमूद, पूर्व जिलाध्यक्ष

यूनस चौधरी, वर्तमान बड़ौत शहरध्यक्ष रामहरि, पूर्व बड़ौत शहरध्यक्ष राकेश शर्मा, रटोल नगर अध्यक्ष निजारत, खेकड़ा नगर अध्यक्ष राममेहर कश्यप, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव ढाका, एक्स सर्विसमैन कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुभाष चंद, धर्मेन्द्र तोमर, राजेंद्र चौहान, अनिल तोमर, अनुराधा शर्मा, आशु पंडित, पवन कश्यप, रूबी कश्यप, इमरान इदरीशी, अंजू देवी व सैकड़ों कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सूजरा गांव में 16 अगस्त को संगठन सर्जन के तहत जिला व शहर अध्यक्ष के चयन के लिए मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सचिव व बागपत पर्यवेक्षक सुहासिनी यादव व पर्यवेक्षक ने सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं से वन टू वन बात कर अपनी रिपोर्ट तैयार की। जिलाध्यक्ष लव कश्यप ने बताया कि अगली संगठन सर्जन बैठक 18 अगस्त को रटोल नगर के शीश महल में होगी।

कोशिश करो

तैयार रहो

सेवा करो

श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन

पंजीकरण संख्या- S/703/2014-दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 2014, संपूर्ण भारतवर्ष
वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंडिपेंडेंट स्काउट्स-गाइड्स जर्मनी से भी संबंध
प्रधान कार्यालय: निर्भय एनक्लेव, खेकड़ा (बागपत) उ.प्र. पिन-250101
Email:- subhashchand4@gmail.com, Mob- 09837749557- 7906984078



संपूर्ण भारतवर्ष में श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया के माध्यम से, स्काउट-गाइड प्रशिक्षण कैंप, स्पोर्ट्स एक्टिविटीज, सिलाई सेंटर हेतु संपर्क करें।
स्काउट गाइड संस्थाओं NCC, NSS से जुड़े भाई-बहनो जुड़ने को प्राथमिकता।
(सुभाष चंद कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव, श्रीराम बाजपेयी स्काउट गाइड एसोसिएशन)

बागपत कांग्रेस ने बड़ौत में स्वतंत्रता दिवस पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली

नितिन कुमार सिंह, बागपत। बागपत कांग्रेस जिलाध्यक्ष लव कश्यप ने बताया कि देश के शहीदों को सम्मान देने के लिए पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी बागपत कांग्रेस कमेटी ने बड़ौत शहर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। बागपत कांग्रेस कमेटी सचिव ने बताया कि तिरंगा यात्रा जनता वैदिक कॉलेज प्रांगण से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए पीएन पार्क पर शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रधांजलि देकर समाप्त हुई।

तिरंगा यात्रा में मुख्या रूप से सभी अपनी अपनी बाइक पर तिरंगा झंडा लगा देश के शहीदों के नारे लगा रहे थे। यात्रा में देश भक्ति के गीतों ने संका ध्यान खींचा। इस अवसर पर बागपत कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष अनिल तोमर, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र चौहान, जिला सचिव पवन कश्यप व सैकड़ों कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।



हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित पुजारी नरेश नाथ पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया

नितिन कुमार सिंह, बागपत। अंकित व इसरार की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित पुजारी नरेश नाथ पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पांच राज्यों में दबिश जारी है। उसका अभी तक सुराग नहीं लगा। मंदिर में पुलिस पहुंची तो आरोपित पुजारी करीबी किशोर को उत्तराखंड छोड़कर आया था। बाइक चोरी के मामले में गाजियाबाद पुलिस ने दो साल पहले उसे गिरफ्तार किया था। उसकी पत्नी व करीबी किशोर को क्लीनचिट मिल गई है।

ग्राम सिंगौली तगा से दिव्यांग 27 वर्षीय अंकित प्रजापति और उसका मुस्लिम दोस्त 34 वर्षीय इसरार गत 25 जुलाई को बाइक से खेकड़ा जाने के लिए घर से बोलकर गए थे। पुलिस ने 13 जुलाई की तड़के करीब तीन बजे श्री गणेश मंदिर लहचौड़ा के परिसर में गाड़ की खोदाई कराकर उन

दोनों के शव बरामद किए थे। पुलिस ने दावा किया था कि मंदिर के पुजारी नरेश नाथ निवासी कुंडेश्वरी थाना काशीपुर, जनपद ऊधमसिंह नगर (उत्तराखंड) का अंकित की एक बहन से अवैध संबंध थे। इसका अंकित विरोध करता था।

इसके चलते योजनाबद्ध तरीके से नरेशनाथ ने अपने करीबी किशोर व दो शिष्य उज्ज्वल पांचाल निवासी ग्राम पूरनपुर नवादा व कृष्णा यादव पुत्र उदयभान निवासी पोखरा थाना चंदवक जिला जौनपुर के साथ मिलकर 25 जुलाई को चाय में नींद की गोलियां खिलाकर और नशीला इंजेक्शन लगाकर अंकित व इसरार की हत्या की है। उन दोनों के शवों को मंदिर परिसर में गड्ढा खोदकर गाड़ दिया गया, जिसके बाद इंटरलाकिंग टाइल्स लगाकर ऊपर धुना जला दिया था। पुलिस ने आरोपित उज्ज्वल पांचाल की निशानदेही पर शव बरामद किए थे। दूसरे

भाजपा ने गरीबों को हमेशा धोखा दिया, गरीबों के आरक्षण में दबंगों को शामिल कर गरीबों का पिछले 26 वर्षों से मार दिया, आओ बागपत लोकसभा को भाजपा मुक्त करे

बागपत लोकसभा की जनता जनार्दन आशीर्वाद दे तो एक बार फिर 2029 में निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा



निवेदक-

सुभाष चंद कश्यप

पूर्व सांसद प्रत्याशी बागपत लोकसभा
2014 निर्दलीय, 7906984078

पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी वार्ड नंबर
11 जनपद बागपत-2015

राष्ट्रीय महासचिव श्रीराम बाजपेई स्काउट
गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया

पता- कस्बा खेकड़ा जनपद बागपत उत्तर
प्रदेश -250101

सम्पादकीय.....

संसद का मानसून सत्र विरोधाभास के नाम

संसद का मानसून सत्र इस बार कई मायनों में बेहद अनूठा और विरोधाभास के नाम रहा। ऐसा लगा मानो 25 दिनों तक संसद की कार्यवाही दो अलग-अलग दुनिया में चल रही हो। एक तरफ संसद के भीतर बार-बार हंगामा, नारेबाजी और बैठकों का स्थगित होना जारी रहा, वहीं दूसरी तरफ संसद के बाहर और परिसरों में राजनीति पूरे उफान पर थी। छात्र सड़कों पर उतरे, तो कहीं विपक्षी नेताओं ने अनोखे प्रदर्शन किए। ऐसे में सवाल ये खड़ा हो रहा कि आखिर इस बार संसद के मानसून सत्र के 25 दिनों की कार्यवाही में क्या-क्या हुआ? आइए हम आपको बताते हैं।

सदन की अंदर हाल अगर संख्याओं के लिहाज से देखें तो संसद की उत्पादकता बहुत कम रही। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी इस बात को स्वीकार किया कि सरकार के एजेंडे के तहत कानून तो पास हुए, लेकिन बहस के मामले में यह सत्र अच्छा नहीं रहा। अब अगर सदन में पास किए गए विधेयकों पर नजर डालें तो हंगामे और विपक्षी नारेबाजी के बीच सरकार ने आवाज मत के जरिए कई महत्वपूर्ण बिल पास करवाए। सत्र के दौरान लोकसभा में 11 और राज्यसभा में 2 नए बिल पेश किए गए। दोनों सदनों से कुल 12 बिल पास हुए। सदन में सुप्रीम कोर्ट संशोधन अध्यादेश, 2026 और आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 को भी दोनों सदनों की मंजूरी मिल गई। पेपर लीक जैसी घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन संशोधन विधेयक, 2026 कानून लाया गया। इसमें समयबद्ध जांच और तीन महीने के भीतर ट्रायल जैसी कड़ी व्यवस्था की गई है।

इसके अलावा, वंदे मातरम को 1971 के अधिनियम के दायरे में लाने वाला बिल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन बिल, एमएसएमई विकास संशोधन बिल और केरल का नाम बदलकर केरलम करने से जुड़ा बिल भी चर्चा में रहा। गौर करने वाली बात यह रही कि इस बार के मानसून सत्र के दौरान क्या सत्ता पक्ष और क्या विपक्ष। वैज्ञानिक और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन और फिर पुलिस कार्रवाई ने आग में घी का काम किया। जब छात्र संसद की तरफ मार्च कर रहे थे, तो पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा लाठीचार्ज, आंसू गैस और पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया, जिसमें 60 से अधिक छात्र घायल हो गए। इस पुलिस कार्रवाई ने तुरंत एक बड़ा राजनीतिक रूप ले लिया, क्योंकि सुरक्षा बल सीधे गृह मंत्रालय के अधीन आते हैं।

अब इस पूरे विरोध प्रदर्शन में राहुल गांधी की बात करें तो तो छात्र आंदोलन और पेपर लीक के मुद्दे पर राजनीति का केंद्र बदलता गया। शुरुआती दबाव शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर था, जिन्होंने 25 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह इस सत्र के सबसे बड़े राजनीतिक घटनाक्रमों में से एक रहा।

देश की विकास यात्रा को राजनीतिक नेतृत्व से भी समझा जा सकता

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। किसी देश की विकास यात्रा को आंकड़ों और योजनाओं के अलावा उसके राजनीतिक नेतृत्व की प्राथमिकताओं से भी समझा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के भाषण इस लिहाज से एक दिलचस्प दस्तावेज हैं। पिछले एक दशक के भाषणों को साथ रखकर देखें तो भारत की बदलती जरूरतों और बढ़ती महत्वाकांक्षाओं की तस्वीर दिखाई देती है।

2014 के आसपास भाषणों में शौचालय, बिजली, सड़क, बैंक खाते, गरीबी और किसानों की समस्याएं प्रमुख थीं। ये वे बुनियादी जरूरतें थीं, जिनकी कमी का असर सीधे आम लोगों की ज़िंदगी पर पड़ता था। धीरे-धीरे भाषणों का फोकस इन कमियों को दूर करने से आगे बढ़कर ऐसी क्षमताएं तैयार करने पर आया, जो भारत को तकनीक, विनिर्माण और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत बना सकें।

शौचालय से सेमीकंडक्टर तक 2014 में प्रधानमंत्री ने महिलाओं की गरिमा और खुले में शौच की समस्या को प्रमुखता से उठाया था। आज उसी मंच से सेमीकंडक्टर निर्माण और तकनीकी आत्मनिर्भरता की बात हो रही है। इसी तरह 2016 में ग्रामीण सड़कों की जरूरत महत्वपूर्ण मुद्दा थी। कुछ साल बाद चर्चा 100 से ज्यादा उपग्रहों के प्रक्षेपण, चंद्रयान, गगनयान और अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंची। 2026 में एआई, क्वांटम तकनीक, रोबोटिक्स और डाटा सेंटर जैसे नए क्षेत्रों

ऑपरेशन रक्षक में बहादुरी और असाधारण साहस दिखाने पर असॉल्ट डॉग टायसन को सम्मानित किया

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। साल की शुरुआत में जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन रक्षक के तहत उग्रवाद-विरोधी अभियान के दौरान बहादुरी और असाधारण साहस दिखाने के लिए भारतीय सेना के 2 पैरा स्पेशल फोर्स से जुड़े असॉल्ट डॉग टायसन को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सम्मानित किया गया। शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा मंजूर किए गए 89 मेंशन-इन-डिस्पैचेस में रीमाउंट वेटरनरी कोर के जर्मन शेफर्ड डॉग टायसन का नाम भी शामिल है। मिड के लिए चुने गए 89 सदस्यों में वह एकमात्र पशु हीरो है। मिड एक सैन्य सम्मान है जो युद्ध क्षेत्र में बहादुरी और बेहतरीन सेवा के लिए दिया जाता है।

22 फरवरी को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के छत्रू इलाके में ऑपरेशन

को भारत की अगली चुनौती बताया गया। 2014 में गरीबी को देश की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिनाते हुए इसे खत्म करने का संकल्प लिया गया था। अब जोर इस बात पर है कि विकास का लाभ समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे। 2026 के भाषण में दावा किया गया कि सामाजिक सुरक्षा का दायरा 2014 से पहले के 25 करोड़ लोगों से बढ़कर दस वर्षों में 100 करोड़ लोगों तक पहुंच गया है।

त्राशी-1 के दौरान टायसन ने सैनिकों से आगे बढ़कर टोह ली और आतंकवादियों के एक ठिकाने का पता लगाया। सेना ने ट्वीट किया, आतंकवादियों के ठिकाने में घुसते समय सबसे आगे रहते हुए पहली गोली खाकर टायसन ने असाधारण साहस का परिचय दिया। घायल होने के बावजूद, वो आगे बढ़ा और जबरदस्त हमला किया, जिससे आतंकवादी गोलीबारी करने पर मजबूर हो गए।

टायसन की बहादुरी के बारे में बताते हुए सेना ने एक्स पर कहा, उसके निडर एक्शन की वजह से व्हाइट नाइट कॉर्प्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों को पाकिस्तान समर्थित तीन आतंकवादियों को सटीक तरीके से निशाना बनाने और उन्हें मार गिराने में मदद मिली।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के ऑनलाइन पत्रकार बने।

www.kesharidarpan.com

पर रजिस्टर/लॉगिन करें।

KD सम्पादक सुभाष चंद
9837749557
www.kesharidarpan.com

बांग्लादेश ने तारिक रहमान की भारत यात्रा को हसीना और अपराधियों से जोड़ा

सपना कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। बांग्लादेश ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान की संभावित भारत यात्रा को एक बार फिर शेख हसीना और अन्य फरार अपराधियों के प्रत्यर्पण से जोड़ दिया है। इससे लगता है कि अगले महीने ब्रिक्स सम्मेलन से पहले पीएम रहमान की भारत यात्रा अब शायद ही संभव हो पाएगी। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि दोनों देशों के अधिकारी कई हफ्तों से पीएम रहमान की द्विपक्षीय यात्रा की संभावना पर बातचीत कर रहे थे, लेकिन 5 अगस्त को शेख हसीना की खुली प्रेस कांफ्रेंस ने इस प्रक्रिया को बिगाड़ दिया।

प्रवक्ता ने इस मुद्दे पर अपना रुख साफ कर दिया है। यात्रा के लिए अनुकूल माहौल बनाने की जरूरत है। इसी उद्देश्य से हमने भारतीय अधिकारियों से शेख हसीना और अन्य फरार अपराधियों के प्रत्यर्पण तथा हत्या की आरोपी हत्यारों को सौंपने का अनुरोध किया है। हम जवाब का इंतजार कर रहे हैं। रहमान सरकार 'बांग्लादेश फर्स्ट' नीति के तहत संप्रभुता, समानता, राष्ट्रीय गरिमा, एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने और आपसी लाभ के आधार पर पड़ोसी देशों सहित अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध आगे बढ़ाएगा।

भारत ने पीएम तारिक रहमान को ब्रिक्स सम्मेलन में अतिरिक्त सहयोगी देश के प्रमुख के रूप में हिस्सा लेने का निमंत्रण दिया था। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश सरकार की तरफ से बताया गया कि किसी सम्मेलन में शामिल होने के बजाय पीएम रहमान अलग से द्विपक्षीय यात्रा करना चाहेंगे। समस्या है कि उनकी सरकार इस यात्रा को शेख हसीना के प्रत्यर्पण से जोड़ रही है।

शेख हसीना अगस्त 2024 में सत्ता से बेदखल होने के बाद से भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश के एक ट्रिब्यूनल ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी ठहराया है। इसी बीच 5 अगस्त 2026 को उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि वे दिसंबर 2026 में ढाका लौटेंगी व बांग्लादेश में लोकतंत्र की रक्षा करेंगी। पूर्व पीएम हसीना ने रहमान सरकार व इसके पहले की अस्थाई प्रोफेसर मोहम्मद युनूस की सरकार पर कई आरोप लगाए थे। बांग्लादेश अब कह रहा है कि शेख हसीना के बयानों से यात्रा की प्रक्रिया को प्रभावित किया है।

दरअसल, पीएम तारिक रहमान पहले ही चीन की यात्रा कर चुके हैं और वहां कई समझौते भी किए हैं। इनमें से कई समझौते ऐसे हैं जिसको लेकर भारत बहुत खुश नहीं है।

गाड़ी के लिए 2,500 से 25,000 रुपये तक देने पड़ते हैं ताकि जरूरी फिटनेस टेस्ट स्विच की जांच हो सके

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। संसदीय समिति ने बसों में लगे इमरजेंसी अलर्ट बटन से जुड़े एक अजीब मामले पर ध्यान दिया है। हालांकि इन स्विच की कीमत सिर्फ 15-20 रुपये है लेकिन इनका ज्यादातर इस्तेमाल नहीं हुआ है क्योंकि अलर्ट का जवाब देने के लिए कोई खास सेंटर नहीं है। बस ऑपरेटरों ने समिति को बताया कि उन्हें अभी भी हर गाड़ी के लिए 2,500 से 25,000 रुपये तक देने पड़ते हैं ताकि जरूरी फिटनेस टेस्ट के दौरान इन स्विच की जांच हो सके।

जेडीयू के संजय झा की अध्यक्षता वाली ट्रांसपोर्ट, टूरिज्म और कल्चर पर संसदीय स्थायी समिति की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि 2012 के निर्भया मामले के बाद महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए ये बटन लगाना जरूरी कर दिया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि सड़क परिवहन मंत्रालय ने समिति को बताया कि कई राज्यों में इस सिस्टम को इमरजेंसी रिसॉन्स नंबर 112 से जोड़ा गया था।

काँकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक ने संसदीय जवाबदेही पर चिंता जताई

सपना कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। काँकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास ने रविवार को संसदीय जवाबदेही पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हाल ही में खत्म हुए लोकसभा सत्र के दौरान, केंद्र सरकार की सिफारिश पर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन और नीट-यूजी 2026 परीक्षा से जुड़े तीन सवाल खारिज कर दिए गए थे। एक्स पोस्ट में दास ने इस बात पर जोर दिया कि प्रश्नकाल लोकतांत्रिक शासन का एक अहम स्तंभ है। उन्होंने सवाल उठाया कि विरोध-प्रदर्शन के हफ्तों के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में सीधे जवाब क्यों नहीं दिया।

लोकसभा सांसद मधेश्वरन वी.एस. ने तीन सवालों के जरिए केंद्रीय गृह मंत्रालय और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से जवाब मांगे थे। अगर संसद में ये सवाल नहीं पूछे जा सकते, तो सरकार को असल में कहाँ जवाबदेह ठहराया जाएगा। क्या विरोध-प्रदर्शनों के जरिए उन अहम हफ्तों के दौरान गृह मंत्री अमित शाह संसद में क्यों नहीं आए और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई से जुड़े सवालों का जवाब क्यों नहीं दिया।

लोकसभा की कार्य-संचालन और

प्रक्रिया नियमावली के नियम 41(2) के तहत, सवालों को स्वीकार किए जाने के लिए कुछ शर्तों को पूरा करना होता है।

स्वतंत्रता दिवस पर पूरा देश जश्न में डूबा

नितिन कुमार सिंह, बागपत/खेकड़ा। इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस पर पूरा देश जश्न में डूबा था। बागपत जिले में सुबह से कहीं प्रभातफेरी निकाली जा रही थी तो कहीं देशभक्ति की धुनों पर बच्चे कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे थे। स्कूल-कालेज के साथ ही पुलिस व प्रशासनिक कार्यालयों पर अफसरों ने ध्वजारोहण किया।

खेकड़ा कोतवाली में ध्वजारोहण के बाद देश भक्ति के गीत बजने शुरू हुए तो पुलिसकर्मी अपने आप को रोक नहीं पाए और कोतवाली प्रभारी आशीष कुमार के साथ जमकर डांस किया। यह क्रम काफी देर तक चलता रहा। किसी ने पुलिसकर्मियों के डांस का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। पुलिस का डांस का यह वीडियो तेजी के साथ प्रसारित हो रहा है और लोग प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

नोट: पत्र में छपे लेख, लेखकों के निजी विचार हैं, सम्पादक का इनसे सहमत होना अनिवार्य नहीं है। आप स्वयं जांच करें। किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र बागपत होगा।

RNI. No. UPHIN/2010/36806, मालिक, मुद्रक, प्रकाशक सुभाष चन्द ने इण्डियन प्रेस, राजेन्द्र नगर, मेरठ से छपवाकर कार्यालय ग्राम वाजिदपुर, पोस्ट तहसील बडौत, जिला बागपत से प्रकाशित किया। सम्पादक: सुभाष चन्द, मो. 9837749557, प्रबन्धक सम्पादक: राजवीर सिंह, (किसी भी विवाद के लिए बागपत न्यायालय मान्य)